

SUBJECT.

A4Z1











॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीः नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



तिनभेगवे॥ तिनभःमिवय॥  
 मधुमीमिवकवमभुभुभु॥  
 एवठयेगीमुरधधि॥ मधुपुधु  
 रुः मीभरुमिवेमुदेवउ॥ रुं  
 वीरुं॥ ह्रीमजिः॥ रुंकीलकं॥ भ  
 भुमल॥ मिवप्रीठुं॥ मिवकवम  
 भुभुभुविनियोगः॥ तिनभेठग  
 वे॥ तिनभेठग॥ रुंलल  
 लललभलिने॥ तिनभेठग  
 मधुपुधुनभः॥ ॥ तिनभ

मि.  
 क.  
 ०

२  
 भेठगावडे॥नं॥भदरेस्यसुलसुल  
 सुलभालिने॥ॐ ह्रीं मूं ल्लीं उ  
 ज्जनीष्टं नमः॥ॐ नभेठगावडे॥भं॥  
 भदरेस्य॥सुलसुलसुलभ  
 लिने॥ॐ ह्रीं मूं ल्लीं भष्टभकुं  
 नमः॥ॐ नभेठगावडे॥मिं भदरेस्य  
 य॥सुलसुलसुलभालिने॥ॐ  
 ह्रीं मूं ल्लीं मनभिककुं नमः॥  
 ॐ नभेठगावडे॥वं॥भदरेस्यसुल  
 सुलसुलभालिने॥ॐ ह्रीं मूं



लंकी। कनिष्ठकं नमः॥ त्रिनभेठग  
 वडेयं भद्रे मय्यल्लल्लल्ल  
 भालिने॥ त्रिंशं मीलंती करलकर  
 धधुं नमः॥॥॥ त्रिनभेठग वडे॥  
 त्रिभद्रे मय्यल्लल्लल्लल्ल  
 भालिने॥ त्रिंशं मीलंती॥ हृमयय  
 नमः॥ त्रिनभेठग वडे॥ नं॥ भद्रे  
 मय्यल्लल्लल्लल्लल्ल भालिने  
 त्रिंशं मीलंती॥ मिरमभुद॥ त्रि।  
 नभेठग वडे॥ भं॥ भद्रे मय्यल्ल॥

मि.  
 क.  
 ९

सुलसुलसुलभालिने॥ उंही  
 मींलीमीपयेवधण॥ उनभेठ  
 रावडेमिंभदगेसुयसुलसुल  
 सुलभालिने॥ उंहीमींली॥ कव  
 मायडं॥ उनभेठरावडे॥ वं॥ भदगे  
 सुयसुलसुलसुलभालिने॥ उं  
 हीमींली॥ नेहेवधण॥ उनभे  
 ठरावडे॥ यं॥ भदगेसुय॥ सुलसु  
 लसुलभालिने॥ उंही॥ मीं॥ लीं॥  
 सुयडण ॥॥ सुषष्टनभा॥॥



वसुंभुंशिनयनंकलकठभरिक्त  
 भभा॥भदभूकरभङ्गुवनेसमु  
 भुभापतिभा॥सुतःपरंभवपुत्र...  
 गृह्णनिःसेधपथेप्यदरंथविशभा॥  
 रण्यप्रसंभवविथङ्गिभेमनंवक्त्रा  
 भिमैवंकवमंदितायेते॥३॥सुभुमी  
 धनुकरभङ्गु॥वभमेवपथिः॥  
 पङ्क्तिमुक्तः॥मीभरुमिवेमेवता॥३॥  
 वीरं॥नभःसक्तिः॥मिवायकील  
 कं॥मीमिवप्रभामभिपुङ्गु॥एयवि

मि.  
 क.  
 ३

नियोगः॥ सुषट्मः॥ वभमेवणव  
 येनभः॥ मिरभि॥ पङ्क्तिस्तुम्भेनभः॥  
 भोपे॥ भममिदेमेवडयनभः ह्रम  
 ये॥ उिरीययनभः॥ गुहे॥ नभः सऊ  
 येनभः॥ पमयेः॥ मिवायकीलक  
 यनभः॥ भवगुधु॥ सुषमवृष्टमः॥  
 उिमुधुधुंनभः॥ नडलनींनभः  
 भः॥ भपृभंनभः॥ मि॥ मुनभिक  
 नभः॥ वकनिधुिकंनभः॥ यक  
 रडलकरयधुंनभः॥ उिह्रमयय



नमः॥ नमिस्मभुद्ध॥ भः॥ सिपये  
 बोधल॥ मि॥ कवमयं॥ वनेरेष्टेव॥  
 य॥ सुभुयदल॥ सुषष्टनभा॥ डिष्ट  
 येतिहंभदेसंगराउगिरिनिठंमरु  
 मरुवउंमं॥ गडकलेदुल्लान्धर  
 सुभगावरलीडिदुंभुमत्रभा॥ प  
 रुमीनेमभउडुउभमरगलेचुपु  
 दडिंभनं॥ विमुहुंविमुवहुंनि  
 पिलठयदं॥ पाहुवहुंरिनेभा॥ डि  
 उमदेसयवि॥ वसिमुहुयणी॥ उत्रः  
 सिवः पुमे॥

मि.  
 क.  
 ५

ॐ नमः शिवाय ॥०३॥  
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥  
 वंदे विष्णु धिनमीश्वरम् ॥ वन्दे मि  
 त्तमयं वक्रमचरकं कंच ॥ १० ॥  
 सुमेधमेभमभीनेयवकुलि  
 उभनः ॥ रिण्डेद्रियेरिण्डपुल्लि  
 त्तयेष्टिवमष्टयम् ॥ ११ ॥ लुङ्गुङ्गीक  
 त्तमत्रिविधं भुङ्गेत्तमष्टपुनठेव  
 कसम् ॥ सुगीद्रियं भुङ्गुमनत्रमं  
 पुयेद्गन्तव्यं भवेत्तम् ॥ १२ ॥



पुनवप्रडापिलकमचवृष्टिगंमिम  
 नमनिभयमेः॥ धनुक्करवृभमभा  
 दिउपुमैवेनजादकुवमेनरक्काभा।  
 भंथउमेवेपिलमेवउपुभंभा  
 कुपेथउंठाठीगे॥ यत्रभमिष्टं  
 गभृमुलंपुनेउभभचभयंरुमि  
 भं॥५॥ भचभंरक्काउविमभुतिः  
 डिमयनमथनमिम॥ सुलेगली  
 यत्रममजिरेकः भंरंमुरः थउठय  
 ममेधम॥७॥ येरुमुपुयं विठडि

मि.  
 क.  
 ५

विष्णुपयङ्गुमेगिरिमिश्रुतिः॥  
 येथंभुङ्गयेनंकरेतिभाङ्गी  
 वनंभेवउभंएलेहः॥१॥येवयु  
 यंमलङ्गुभयपुमिठिभेव  
 उभंरुय॥भवेभङ्गुपेनिपिल  
 यकमेहकमङ्गुयेकरेउरकाभा  
 यःकलदङ्गुलठयभङ्गी॥मि  
 वकरेनरागइयेभभा॥निमक  
 र्देनवनभङ्गीमेयेवभनःभेवडा  
 निमलय॥येवेनभष्टवदर

३॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ हृषीकेश ॥  
 भयतु भद्रमलभुमेभं भाषणु  
 विष्णुभक्तयस्तु भुक्तिः ॥ १० ॥ कल्पव  
 भानेकवनानिमग्न भवति येन नृ  
 त्तिकुगिलीलः ॥ भक्तलक्ष्मण उभं  
 मवग्रेव हृदि ठीते गीतल सुतप  
 ॥ १०० ॥ प्रसीधु विदुः कवठं मे  
 विदुः वरगी त्तु जगत्पतिः ॥ म  
 उद्गापतु दुरुधभिनेहः ॥ प्रसुं मिमि  
 रक्तुभ भरणभूमा ॥ १०१ ॥ कुण्ड।

मि.  
 क.

12  
 वेङ्कुसुमपद्ममुलकपलथका  
 क्रियन्ते रूपानः॥ मउदुपेनील  
 कमिभिनेः पायस्येरेमिमि  
 क्रिन्ते॥ शुभा॥ ऊर्ध्वेकुसुमसुष्टिक  
 वरुतेवेरुक्तमलवरुठयः॥  
 इमसुउवज्जुतुभूठवः भुक्तिर  
 देवउभं भुजीसुभा॥०॥ वरुक्तम  
 लठयः सुदुः भरेणकिदुल्ल  
 भमनवलः॥ दिलेसनसुमउदुपे  
 भं पायसुमीसुं मिमिवभरेवः॥०॥



वेरुठयेधुङ्गमपममङ्गकपाल  
 रुक्मकिरिमुलपः॥॥॥भिउडु  
 डिःपाङ्गुभुपिवडङ्गभीमानभुच  
 परभंभुकमः॥भुचनभट्टङ्गममङ्ग  
 भोलिठलंभभट्टङ्गमवठलनेः॥ने  
 रेभभट्टङ्गनेःदरीनभंभमर  
 कडविषुनषः॥०१॥पयमुडीमे।  
 मूङगीडकीडिः॥कपेलभट्टङ्गउंक  
 पली॥वङ्गंभमरकडपाङ्गुवङ्गेरि  
 कंभमरकडवेमरिङ्गः॥०३॥कङ्ग

मि.  
 क.  
 १

गिरीमेवउनीलकः०ःपामिःसुयं  
 पउधिनकपामिः॥मेमूलभष्ट  
 भणमचक्रवक्रःभुलंमक्रभापउ  
 केष्टा॥०७॥भमेमरंथउगिरीनु  
 यत्रभष्टंभमाष्टक्रमनानुकरी॥॥  
 देवभुउंतेभमपउनाठिंपायकृतिं  
 प्रस्ताष्टिरीसुरेभे॥१०॥ऊऊसुयंप  
 उऊवेगभिःरुसुयंभरगामीसु  
 गेष्टा॥॥रुसुयगंधकवकेउरव  
 दमेभमाष्टकुरवमुपमः॥१०॥॥



भदेसुरः पउमिनः पुय भभं भपुव  
 भवउव भमवः शियभुकः पउऊजी  
 यय भव धपुणः पउमिनः पुय  
 मे॥११॥ पाय त्रिम मे समि मोपे  
 भं रागु परिरक्त उभं निसेषे गोरीध  
 डिः पउनिमाव भने भइगुयेरक्त  
 उभं पूठउ॥१३॥ गृद भि उंरक्त उ  
 सगुवे भं भुः भम पउत्तदिः भि  
 उंभ भ॥ उरुतरे पउध डिः पमुनं  
 भम सिवेरक्त उभं भमनुडा॥१५॥

मि.  
 क  
 उ

डिध्रुमवृक्षुवनैकनमः॥ पय्यकु  
 र्णुंभूमिनिमः॥ वेरुत्तवेष्टेव  
 उभंनिधः॥ मभष्टयः॥ पडुमिवः  
 मयनभा॥ ७५॥ भजेधुमंरक्तुनी  
 लकठः॥ सैलमिदुजेधुप्रश्या  
 रिः॥ मुरष्टवममिभदुधुयले॥  
 पय्यकुगवृष्टुत्तुममिः॥ ७६॥  
 कल्पुकलेगुपदुधुकेपधुष्टु  
 दभेमुलिङ्गुकेमः॥ ध्येगमि  
 नलवकुविदरेभदुठयमृक्तुवी



गुरुः॥ पट्टमुभउत्तुप्यवकुविनी॥  
 भद्रभूलकृष्टकेष्टीधमा॥ ममे  
 दिनीनंमउभउत्तुयिनंष्टिकुमुत्तये  
 गुरुगणय॥३॥ निद्रुमभुदूल  
 यनलग्निल्लल्लिमुलंरिधुगुक्तु॥  
 मत्रुलभिद्रुक्तुकिभद्रुमभय  
 श्रीमण्वःधिनकः॥३७॥ रुःभुप्रदुम  
 ऊनदुनतिमिन्नभुद्रुक्तिमाद्रुम  
 नदुःभद्रुदसंभि॥ उद्रुत्तुमपविध  
 ठीतिभमद्रुद्रुतिष्टपीमूनमयउभेरा  
 गउभपीसः

सि.  
 क.  
 ७

येधायकमगुगुल्लगदेभमेग॥  
 बुद्धायगोअपरमगकपउकमुदे  
 नीलकण्ठपरमसुरधामधुनि  
 बुद्धपथमामिनिमलमुमुदेः॥ १०  
 भवभद्रमकरभद्रभद्र॥ उनिमे  
 उगवतेभद्रमिवय॥ भकलउडु  
 मकय॥ भवभद्रमुमुपय॥ भवय  
 इण्डिभ्रिय॥ भवभद्रमुमुपय॥ भ  
 चउडुविमुगय॥ बुद्धविभ्रुगुवड  
 रिने नीलकण्ठय॥ पाचडीभनेद्र



य॥ भिभभुदग्रिलेमनय॥ छन्मेकुलि  
 उविगूदय॥ भदभभि<sup>॥००॥</sup>भुक्तएणर॥  
 य॥ भभिभिडिलयकर॥ य॥ रुक्त  
 सुगुंभकय॥ भदकलठेरुनय॥  
 भुलणरैकनिलयय॥ उकुडीडय॥  
 सुणय॥ भवमेवमिमेवय॥ भकुम  
 यय॥ वेरुनुभय॥ शिवजभपन  
 य॥ पुनेककेरिबुद्ध॥ इरणकय॥  
 पुननुवभुकि॥ उक्तककके<sup>३००</sup>एमरुप  
 लजालिकपदभदपदुनगदुभ॥

सि.  
 क.  
 ००

य॥धु॥वधु॥उ॥प॥य॥मि॥रु॥क॥म॥य॥  
 सु॥क॥म॥मि॥नु॥उ॥प॥य॥गु॥द॥न॥म॥इ॥भ॥  
 लि॥ने॥भ॥क॥ल॥क॥ल॥रु॥दि॥उ॥य॥भ॥  
 क॥ल॥ले॥कै॥क॥क॥उ॥भ॥क॥ल॥ले॥कै॥क॥द॥  
 उ॥भ॥क॥ल॥ले॥कै॥क॥ठ॥उ॥भ॥क॥ल॥ले॥  
 कै॥क॥गु॥र॥वे॥भ॥क॥ल॥ले॥कै॥क॥भ॥मि॥  
 ने॥उ॥॥भ॥क॥ल॥नि॥ग॥भ॥गु॥ह॥य॥॥  
 भ॥क॥ल॥वे॥रु॥उ॥प॥र॥ग॥य॥भ॥क॥ल॥ले॥  
 कै॥क॥व॥र॥धु॥र॥य॥भ॥क॥ल॥ले॥कै॥क॥  
 म॥रु॥र॥य॥म॥म॥रु॥मे॥प॥र॥य॥म॥



सुउनिखवभय॥ निरुठभय॥ नि  
 रभयय॥ निम्लाय॥ निम्लय॥  
 निम्लिडय॥ निरुडूय॥ नि  
 रुकुलय॥ निधुलडूय॥ निजु  
 य॥ निधुभय॥ ५००॥ निरुप  
 भवय॥ निरुवडूय॥ निरुतय॥  
 निधुग॥ य॥ निरुडूय॥ निधु  
 पाडूय॥ निःभडूय॥ निडूडूय॥  
 निरुणय॥ नीरुगय॥ निधूण  
 य॥ निम्लयय॥ निधुपय॥॥

मि.  
 क.  
 ००

निष्ठयाय॥ निषिकल्पाय॥ निठेरुय॥ नि  
 ध्रुयाय॥ निराङ्गनाय॥ निधुलयाय॥ निः  
 भंसयाय॥ निरुपमविठवाय॥ ५००॥  
 निष्टुष्टुष्टुपरिधुलभाक्किमनमस्तु  
 यथा॥ परमसातुष्टुपाय॥ उर्रेष्टुपाय  
 उर्रेभयाय॥ रण्यरण्य॥ गेरु॥ भद्र  
 गेरु॥ रुद्रवडग॥ भद्रकैरव॥ कलठै  
 रव॥ कल्पात्रुठैरव॥ कपालभाला  
 पर॥ अपष्टुष्टु॥ अपष्टु॥ मद्र॥ पाम॥ मुद्रु  
 म॥ रुभग॥ रिमुल॥ मध॥ पाद्रुव॥ गाम॥ ५००



सक्तिः। ठि। दु। प। ल। उ। भ। र। भु। भु। ल। भु।  
 झु। भु। भु। प। रि। थ। रु। म। डी। म। ड। थ्री।  
 म। ड। यु। प। ठी। ध। क। र। भ। द। भु। भा। प।  
 रुं। भु। क। र। ल। व। रु। न। वि। क। ए। डू। द। म।  
 वि। भु। रि। ड। वृ। रुं। ड। भ। ड। ल। न। गे। मू। ऊ।  
 ड। ल। न। गे। मू। रु। र। न। गे। मू। व। ल। य। न।  
 गे। मू। स। मू। प। र। वृ। थ। मू। मू। वे। धि। उ। भ। ड।  
 लू। य। १। रि। भु। र। तु। क। वि। सु। कू। प। वि।  
 ऊ। प। मू। वि। से। सु। र। ध। ध। रु। व। द। न। वि। ध।  
 रुं। ध। वि। से। उ। भ। प। भ। च। उ। भं। र। मू। व। मू।

सि.  
 क.  
 ०१

सुलसुलभदभदुठयंनमयन  
 मय॥ सुपभदुठयंनमय॥ नमय॥  
 भवेरगठयं॥ उदुमय॥ उदुमय॥ वि  
 धभदुठयंमभय॥ मभय॥ मेधन  
 रय॥ भगय॥ मड॥ उदुमय॥ उदुमय  
 य॥ ३०० सुलेनविमय विमय॥ कुण  
 रे॥ ठिदु ठिदु॥ अपेन ठिदु मिदु  
 अपेन विषय॥ विषय॥ भुले  
 ननिधय॥ निधय॥ ३०० भुदु  
 य॥ भुदुय॥ गंभिनीधय॥ धय॥



कुडनिविम्वयविम्वय। कुभं ३  
 वेडलभरीशुक्लमभग ७३  
 भयभत्रभय ॥ ७० ॥ भमः ८५० ॥ ३  
 विरुंभं। सुसुभय। सुसुभय। सुः  
 पत्रुंभं। सुनक्रय। सुनक्रय। सुः  
 सुतिंनिवरयनिवरय। नरकठय  
 मं। उदुर। उदुर। सुनक्रकण्णवीम  
 नभं। भाद्रीवयभाद्रीवय॥ सिव  
 कवमेनभं। सुसुक्रय। सुसुक्रय। सु  
 मुकभद्राद्रीयभरुसिवतिनमेनभमु

मि.  
 क.  
 ०३

२६  
 शुद्ध ॥ ०००० ॥ एष ठ उ व स ॥ उं डे उं डु  
 व सं सै वं व र सं वृ ह्म उं भ य ॥ भ व च ण  
 भू म भ नं र द भुं भ व मे दि न भा ॥ यः भ  
 रु ण र ये रु द्रुः सै वं क व स भु उ भ भा ॥  
 न भू र य डे क पि ठ यं स भे र न गू द  
 ग ॥ क्री ७ यः पु पु भ ड व भ र रे ग  
 द डे पि व ॥ भ रुः भू प भ व प्रे डि मी  
 द्रु म य सु वि रु डि ॥ भ व रु रि रु म भ  
 नं भ व भ रु ल व च न भा ॥ ये ण डे क व  
 सं सै वं भ मे वै र पि प्र रु डे ॥ भ द प उ



कभस्यैउमुस्यैमेपपउकैः॥॥  
 उभक्तिभभ्रिडिमिववमत्रवः॥  
 उभपिसूयवडुमैवकवमभउ  
 भभा॥॥एयभभयमउंभहःमे  
 येहवधुभि॥॥भउउवम॥॥उडुका  
 एधेकेयेगीउमैधक्तिवभनवे॥॥  
 मेमसंभदगवांयकुंरारिनिभम  
 नभा॥॥धनसूठमभंभनूउमनेप  
 रिउःभमना॥॥गएनंभइदभभ  
 विग॥॥भवलंममे॥॥॥॥॥॥॥

सि.  
 क.  
 ०५

कर्मभूतवत्तुं प्रवृत्तलै सुदयतिभू  
 तिः॥ भगवत्पुः सुमुठे मरुत्तुव  
 मिय॥ उभा दधुल्लिकुयः भये।  
 गीचपनन्न॥ अथायदुभयभूतः  
 उपेभत्तुवत्तुः॥ सउपभिमाम  
 द्युयभेदरुजयमेधुभा॥ भमहे।  
 भियउमत्तुः॥ भक्तुत्तुपिभुयभा।  
 सुमुसत्तुनिद्रुंयेमभत्तुव  
 दिउः॥ उभक्तुः पतिधुत्तुमुसभु  
 विमेउनः॥ अपत्तुविभेमिहेप



भैरविनमने । सुद्धभैरवपुष्प ॐ ॥  
 मेदोरेविवदने ॥ एतयेसुप्रठवेन  
 मैवेनकवमेनम ॥ द्विधद्भनगा  
 नंवल्लेनभदडाधिस ॥ ठभणरभ  
 भद्रमुद्धभैरविरेधुमि ॥ पूधुभिंद  
 भनंधिदंठेकृमेधविदीभिभाभा ॥ ७  
 ठिठरुयुधंभभृगवमभुभभाद्रकभा  
 उहंभभुरिउः भेषययेभुरगठिद्रु  
 निः ॥ ७ ॥ उडिमीभृद्रुप्रगलेवृद्धेडर ॥  
 यदेडुमिवकवमे ॥ भभुलंभभाधुभा

सि.  
 क.  
 ०५

सुठमसुमचरणगतभा॥ॐॐॐ

पसेमपूमेभठम् ॥ ॐॐॐ ॥ ॐॐॐ



31

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

तिनभः सिवय ॥ तिमिवंमुण  
 कलममेभकरंरिनेरं ॥ धरु  
 भनंसवररुठयमंसमुह्मा ॥  
 मल्लरुमरुवरुधितयम  
 मेवृवभोदितंमभनठरुदं  
 नभभि ॥ तिसुसुभुएिकम  
 रुमंरिनेरंपाहुवरुकभा ॥ ॥  
 गरुणंरुमरुणंभवठरु  
 रुधितभा ॥ नीलग्रीवंममरु  
 रुंनगयरुपवीतिनभा ॥ वृ









कृष्णगुणसंभवेऽस्य ॥  
 तिस्रसुवदनुदयः भवेत्  
 भः सुतेरसुतेरिदकेऽमदिः ॥  
 वडारवेन वलभादिः भ  
 नेरावा यत्तुसीधुं भभरु  
 यः दृष्टेव नं मधुधुं ॥  
 मभुगं मप्रवरं भदभु  
 कं विउपकं भदमेवं सिव  
 भवदयभुदं तिस्रवदय  
 भुदंमेवभीसुरं पञ्चडीपतिभा ॥

विमुक्त  
 पं.  
 न.  
 म.  
 ३

वधमनमभुलंनगठ  
 ॐ ह्रीं धिउभा ॥ श्रीतेमुयराभ  
 नभुउवेकुयङ्गमभम ॥ गलिः  
 पुधंसमंसैवप्रपेयंप्रतिगठ  
 उभा ॥ विउङ्गुनधायविमूढे ॥  
 मरुमेवयणीमदि ॥ उत्रेनरुः  
 प्रमेमयाउ ॥ ॐ ॥ सउरुद्विय  
 मेवानं ॥ मरुमभनंठवाय ॥  
 मवीयसु ॥ प्रहङ्गुउउवके  
 मेवही ॥ मरुमेवह ॥ भिषुठ

सुक्तवलेभद  
 उरुसुक्तपुण  
 महुधिउभा ॥





मउरुदेविनियेगः॥भकलभुन  
 दृष्टयभु॥मीभदरुदेमेवड॥  
 कगायरीमुनः॥उभेनभुनः॥डि  
 भुः॥धदुयः॥भभुनभुनः॥देराग  
 ट्टे॥परमेधुणधिः॥भभभुप  
 धकयके॥रुभभुप॥देविनि  
 येगः॥डि॥॥॥नभभुनभुनभुवे  
 वरुट्ट भुउतेनभः॥उतेउधवे  
 नभः॥यतेनभुमिवाउतुरधेर  
 धधकमिनी॥उयनभुनभुन

५ कदुगोपंकरावकां संभारभारंरुलागेदुदं सलगभुनं  
 मयगविने ठवंठवनीभदिउंनभमि॥ उडिष्टां॥ ५



भयगिरिमनुठिसाकसीदि  
 यभिधुङ्गिरिमनुदुसेविठु  
 भुवे॥मिवङ्गिरिड्डुङ्गु॥भा  
 दिंभीः धुधुङ्गुगज॥मिवेन  
 वसमङ्गुगिरिममुवमभ  
 भिः॥यषानःभवभिङ्गुगु  
 यङ्गुभनमुभज॥मुपुवेम  
 मणिवङ्गुधुधुमेमैठेठिधका॥  
 मुदीमभवाङ्गुभयभवमुय  
 उण्डुः परमीःपरभव॥॥

रु.  
 म.  
 रु

सुभोयसुभे सुभ... उतवङ्गः भु  
 भङ्गलः ॥ येमेभेनरु सुठिउमि  
 क्कामिउः भदभुमे ॥ वैधं देकुंभ  
 दे ॥ सुभे येवभदडि वीलग्रीवे  
 विलेदिउः ॥ उउवङ्गेय सुभुम  
 वुउनभुमददः ॥ उउनं विसुङ्गु  
 निभमृषे भङ्गयडिनः ॥ नभे सु  
 भुनीलग्रीवयभदभु क्कयभी  
 रुषे ॥ सुषेये सुभुभङ्गेनेदउउठे  
 करवभः ॥ पुभाङ्गुपुनभुभुठये



रंष्टुभा॥यमुतेदमुडधवः॥  
 पराउठगदेवप॥विष्टुचुः॥  
 कथदिनेविमलेव॥वाउउ॥  
 सुत्रेसत्रमेसव॥सुक्रभृनिध  
 इविः॥यउदेउम्रीरुभुमद  
 सुवक्रवेउणः॥उयामविमुउ  
 भूमयक्ते॥परिकुर॥परिउ  
 चेनेदेउरम्वु॥ऊविमुउ॥  
 सुवेयउधुपिमुवरे॥सुभमत्रि  
 पेदिउभा॥नभंभिउसुयुणय

न.  
 म.  
 प.

नउउययधुवे॥ उठहृभुउते  
 नमेरुहृउवपत्रने॥ सुवउह  
 पत्रभुंमदभूक्तमउधुपे॥ नि  
 मीदमलुनंभापंमिवेनःभु  
 भनठव॥ यउउधुःमिवउभ  
 मिवंरुवउपत्रः॥ मिवमरु  
 यउवउयनेभद्रुणीवमे॥  
 तिनमेदिरष्टरुदवेमेनत्रे॥  
 किमंमपउयेनमे॥ नमेरुमे  
 हृदरिकेमेहृः॥ पमुनभउये



नमो॥ नमः सिद्धिदायक्यदि  
 धीमते पृथ्वी नं पतये नमो॥ न  
 भेत्तु यद्यपि नेत्रं नं प  
 तये नमो॥ नभेदरिके सद्ये प  
 वीतिनीधु नं पतये नमो॥  
 नभेत्तु वसुदेवै र्गता भुजये  
 नमो॥ नभेदक्य उतायिने  
 के इत्यं पतये नमो॥ नमः भु  
 जय दत्त यवनं पतये नमो॥  
 नभेदिताय भु पतये वक्तुं  
 पतये नमो॥ नमो

क.  
 म.  
 ७

५५  
 भद्रिन् वल्गुयककुलं  
 पडयेनभे॥ नभेकुवतयेव रि  
 वभुङ्गये धणीनं पडयेनभे॥  
 नभमुङ्गय ॥ नभेकुवतयेव रि  
 भद्रु नभडयेनभे॥ नभः दङ्ग  
 वीङ्गय वडयेनभे॥ पडयेन  
 भे॥ नभः भद्रु नभडयेनभे॥  
 ने सुवृष्टिनीनं पडयेनभे॥ न  
 भे निधङ्गि कङ्गयसेन  
 नभडयेनभे॥ नभेवाङ्गये परि



वाङ्मतेभ्यः प्रनं पतयेनमे॥ न  
 मेनिमराय॥ परिमराय॥ २२७  
 नं पतयेनमे॥ नमेनिधङ्गि  
 नेडं धृतिभेदं रा० ७ पत  
 येनमे॥ नमः भृक विहृति  
 धं भृक भृक पतयेनमे॥  
 नमेभिभृक नृक भृक भृक  
 दतन भृक येनमे॥ नमः भृक  
 धं गिरिमराय कलान्न  
 भृक येनमे॥ विनमः भृक भृक  
 उदक भृक येनमे॥ नमः भृक भृक

क.  
 म.  
 १

१ नमस्तुतनेहृ प्रडिमणनेहृसुवेनमे ५

हृसुवेनमे॥ नमस्तुयसुहृसुसु  
 हृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृसुग  
 हृसुवेनमे॥ नमःसुयनेहृसु  
 भीनेहृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृ  
 णवसुहृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृ  
 भठपडिहृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृ  
 सुपडिहृसुवेनमे॥ नमस्तुयसुहृ  
 नेहृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृ  
 गनहृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृ  
 भेवुनेहृसुवेनमे॥ नमःसुयसुहृ

नमोवि सुयसुहृ  
 विष्टु सुवेनमे॥



भेगलेहेगलपडिहसुवेन  
 भे॥नमःदसुहेहःदसुपडिह  
 सुवेनभे॥नभेविहपेहेविमुउ  
 पेहसुवेनभे॥नमःभेनहः  
 भेननीहसुवेनभे॥नभेगवेहे  
 वडुपिहसुवेनभे॥नभेमदहे  
 उकेहसुवेनभे॥नभेयवहसु  
 सिनेहसुवेनभे॥नमःकहहःभ  
 सुदीहसुवेनभे॥नभभुमहेर  
 षकरेहसुवेनभे॥नमःपुगिह

रु.  
 भ.  
 उ

भुंहे निध मेरु सुवेन मे॥ नभः सु  
 निहे भृग पृष्ठ सुवेन मे॥ नभः सु  
 रुः सुपति रु सुवेन मे॥ तिन मे  
 रुवाय म॥ रुदूय म॥ नभः सव  
 य म॥ ध सुपतये म॥ नभे नील ग्री  
 वय म॥ मिडिक रुय म॥ नभे  
 दृपुके मय म॥ कपडिने म॥ न  
 भः भद्र मूक य म॥ सउपत्रने म  
 तिन मे गिरि मय म॥ मिथि वि  
 भूय म॥ नभे भीरु भुम य मेध



भठेस॥ नभेरुधुयस॥ वभन॥  
 यस॥ नभेरुदुयस॥ वद्यीयमे  
 स॥ नभेरुदुयस॥ भवदुनेस॥  
 नभेरुयस॥ पूषभयस॥ नभ  
 सुमिदेस॥ रिगयस॥ नभः  
 मीठयस॥ मीधूयस॥ नभउ,  
 दुयस॥ वधुयस॥ नभनधुय  
 मदीधुयस॥ नभेरुधुयसक  
 निधुयस॥ नभः प्रवसयस॥ पर  
 सयस॥ नभेमधुयस॥ परालु  
 (यस॥)

रु.  
 भ.  
 ७

१ यमः स्यात्तु यमः नमः भोक्तु यमः प्रतिभुदा यमः ॥ नमः  
 सुखे ॥ यमः सुखे यमः ॥ नमः गिरिनिनेस कवामि  
 नेमः नमः वामिनेस वदुषिनेमः ॥ नमः सुगयमः वदुषिनेमः  
 नमः सूतयमः सूतमेनयमः नमः भुयमः कौभुयमः ॥  
 नमः उचदायमः पदुयमः ॥ नमः मेरुयमः

नमः भुयमः वमः तु यमः ॥

नमः सूतयमः भुतिमूतय

मः नमः वदुषिनेमः ककुयमः ॥

नमः वदुषिनेमः दनदुषिनेमः ॥

नमः वदुषिनेमः भुयमः ॥

नमः निधामिनेमेधुपिभतेमः ॥

नमः भुयमः वदुषिनेमः ॥

नमः भुयमः भुयमः ॥

नमः भुयमः पदुयमः ॥

मः कदुयमः नेष्टुयमः नमः



नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥  
 नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥

न.  
 म.  
 ००

ठीभयम॥ नभेद्रेमदनीय  
 मम॥ नभेयेवणयम सुरेव  
 णयम॥ नभेवकैठुदरिकेमे  
 हे॥ नभभुरयम॥ नभःसमृ  
 वेम॥ भयेठवेम॥ नभःसमृ  
 यम॥ भयभुरयम॥ णिनमः  
 निवयम॥ निवउरयम॥ न  
 भः किंसलुयमकय॥ य  
 म॥ नभउरि॥ यम॥ पूपष्ट  
 यम॥ नभःपुलभुनेम॥ कप



द्विनेम॥ नभगेधुयम॥ गह  
 यम॥ नभमुल्लुयम॥ गेहय  
 म॥ नभः पदयम॥ वदयम॥  
 नभः पूत॥ यमेत॥ य  
 म॥ नभभीहयम॥ कल्लय  
 म॥ नभः देवयम॥ मधुयम॥  
 नभः भिकटयम॥ भवय  
 म॥ नभेहमवयम॥ निवेधु  
 यम॥ नभः कट्टयम॥ गह्वरेधु  
 यम॥ नभः सुधुयम॥ दरिद्रय  
 म॥ नभेलेधुय

न.  
 भ.  
 ००

मेलधुयम॥ नमः पंभट्टाय  
 मरणाधुयम॥ नमः भुट्टाय  
 मेरुधुयम॥ नमः पल्लवयम॥ प  
 लसायम॥ नमः सुपिरुतेम  
 धूपिरुतेम॥ नमोऽथिपुतेम॥ प  
 गुहमनयम॥ नमः सुपिरुय  
 मविपिरुयम॥ नमोऽथि  
 रिकेहेमेव नं ह्मयेहे॥ नमो  
 विमित्रहे॥ नमो विक्कीकि  
 हे॥ नमः सुनिदोहे॥ सुपेसुव



[illegible]

रु.  
म.  
०३

परि० कुरुदेति च० कुर्यात्  
 वेधमुद्रमतेरथायेः॥ सुवभि,  
 रभयवकुमुतभूमिमुक  
 यउनययभङ्गा॥ भीरुभूमि  
 वउभामिनेनः भमनठव॥ पर  
 भवक्तुमुपनिणयदतिं व  
 भनः॥ उमुगधिनकं विरुद्रु  
 गविकिरिद्रुविलेदिउ॥ नभमु,  
 भुठगवः॥ यभुभदभेदेउयेव  
 भिनिवथनुतः॥ भदभुणभ



कर्मलिदेउयधुवचंकेः उभा  
 भीमनेठगवः परमीनभापं  
 ऊरु ॥ ममस्तुः भद्रमृगिये  
 मरु मृषिकुभृभा ॥ उधं भद्रमृये  
 एनेवपत्रनिउममि ॥ येमिमम  
 दहलवेनुगिमेठवा मृषि ॥ उ  
 धंम ॥ येनीलगीवः मिडिक  
 मृगमिवंरु ॥ उधमिडः ॥ उधं  
 भद्र ॥ येनीलगीवः मिडिक ॥ उ  
 मच मृषः कृगमरः ॥ उधं ॥

रु.  
 भ.  
 ०३

येवनेधुमिधिरुनीलगी  
 वाविलेदिङ्॥३॥येत्रेधुवि  
 विष्टुत्रिपरेधुधिवउरणन  
 ॥३॥येकुडनभपिधउयेवि  
 मीपभःकपमिनः॥३॥ये  
 धवीनं धाधिरक्तयापेकुभक्त  
 यदृपः॥३॥येतीऊनिधुसर  
 त्रिभुक्तवनेनिधुमिः॥३॥  
 धः॥यपउवनेवकुयंमेवमि  
 मेरुमृविडिधुग॥३॥भदमृ



ये एव षष्ठानि उक्तानि ॥ ॐ न  
 भे च भुवने हे ये मिवि ये धं व  
 द्धुभिषव भुहे रुम प्रमी रुम  
 रुकि ॥ ७ ॥ रुम प्रमी रुमे मी मी  
 रुमे वृ भुहे न भे च भुवने भद्र  
 य उडे य द्धि के य म्ने डे धि उने  
 धं ए भु रुम भि ॥ न भे च भु  
 रुहे ये च उरि के ये धं व उड  
 धव भुहे रुम प्रमी रुम रुकि  
 ॥ ७ ॥ रुम प्रमी रुमे मी मी रुमे  
 वृ भुहे ॥

रु.

भ.

०३

नभे च भुतेने भद्रयनुतेय  
 द्विधेयसुने द्विधुतेने धं  
 एभे रुपाभि ॥ तिनभे च  
 भुतेने भद्रयनुतेय धं  
 त्रभिधवभुतेने रुपाभि  
 मद्रुकि ॥ रुपाभि  
 मेरीमीने च भुतेने नभे च  
 भुतेने भद्रयनुतेय द्विधेय  
 सुने द्विधुतेने धं एभे रुपा  
 भि ॥ भद्रयनुतेय



मृगद्वयेयंदद्वचक्रुद्वद्वि  
 णय॥ ठभसुत्रेठभसपु  
 मयनेनरूपयेद्वसुतेभव  
 धये॥ निरुंरुधीनिरुयसु  
 पवीरी॥ निरुंरुद्वठभनक  
 मवमी॥ नरुंरुधुमेवभीसा  
 नभगंयडिभुनंतेनभकं  
 उमीयं॥ सुधेरः॥ धरुधः॥  
 भद्वेरुः॥ वभमेवः॥ वद्वेरु  
 लः॥ द्वभकः॥ हिमलद्वभुः॥ भद्व  
 ॥ द्वभः॥

रु.  
 भ.  
 ०५





क्रमीनभपिउमवमत्रभुयि  
 गिरः॥सुवसुःभवःभुमति  
 परि॥भयपिग॥क्रमपु  
 धमुदेदगनिरपवमःपरिकरः॥  
 सुडीडःपञ्चनंदवममदिभ  
 वद्वनभये॥गडकुवडुयंसकि  
 उमठिण्डेसुडिगधि॥भकभुंभे  
 उवृक्कडिविपण॥कभुविधयः  
 धरेडुवामीनेपउडिनभनःक  
 भुनवमः॥१॥

रु.  
 भ.  
 ०२

भप्रभुतीडवमपैरभभभुं  
 निमिडवउभुवउकुकिंवग  
 पिभुरगुरेविभयपमभाभ  
 भदेउं वलीगुलकषनप्रष्टे  
 नठवउः॥पुनभीइजेभिन्नु  
 रभषनरुकिवुवभिउ॥उउवे  
 सुदंयउरुगुरुमयरक्तपुल  
 यदइयीवभुवुभुंतिभभुगुल  
 ठिन्नभुउरुभु॥मुठवुनभीभि  
 वरमरभलीयभरभलीविद



उंष्ट्रैसी विमण्डऽदैकेराड  
 पियः॥८॥ किमीदः किंकयः॥  
 भापलकिमुपयभिडवनभा॥  
 किभापवेण्डभरुडिकिमु  
 धरुनऽडिम॥ सुड्डैसुदेइयुन  
 वभरुःभुदडपियः॥ ऊडैकेयं  
 कंस्त्रिन्नापयडिभेदयरुग  
 डः॥५॥ सुरुन्नेलेकः॥ किभ  
 वयववेडिपिरुगाड॥ भापिधु  
 डरंकिंठवविपिरुगुडुवडि

न.  
 भ.  
 ०१

सुनीमेव ऊदकुवनरणने  
 कः परिकरीयेममभुं  
 दृगवरमंमेरउडं॥२॥  
 यीमभुंयोगःपसुपतिभं  
 वैभुवभिडि॥धृतिवैभुनेप  
 गभिरुभरःपष्टभिडिम  
 मीनंवैमिदृरुऊलिन  
 नपवदधं॥७॥भकेगभु  
 भुमभिपयमभलवडव॥१॥  
 भदेकःपपदुंपरसुरिणं



कम्भरुः॥ कपलमेडीयड  
 ववररुड्रेपकर॥ भा॥ भुर  
 भुंउभुकिंरुपडिउठवडुपु  
 निदिउं॥ नदिभुडुगभंविध  
 यभगाडभुडभयडि॥ ३॥ पुवंक  
 मिडुचंभकलभपरभुपुवभि  
 मं॥ पेरुपुवुपुवुगगडिगम  
 डिवुभुविधये॥ भभभुपुगभि  
 दुरभभनैविभिडडवभुव  
 डिडुभिडं ॥ ॥ ॥

भ.  
 थ.  
 ०३

नापलननरुभूभापडा।७।  
 उवैसुदयत्रुदपरिविरिष्टि  
 दगिरणः॥परिष्टेयंउवन  
 लभनलभुदवप्रधः॥उउठ  
 किमरुठगुरुगुंहुंरि  
 रिमरुयंउउउंउवकिभ  
 नवाउत्रुदलति॥०॥चयत्रु  
 रुभरुश्रिउवनभवेरिष्टिक  
 रं॥रुमभेयत्रुऊनहुउरु  
 कहुंपरवमना॥मिरःपरु



मे॒ली॒गमि॒डमर॑ ॐ भू॒रुद्र  
 ले॥ भि॒रग्य॑ भू॒रुजे॑ भि॒धर  
 द॒रवि॒भुलि॒तभि॒रुभा॑ ॥ ७१ ॥  
 स॒धधृ॒रुदे॒वभ॑म॒पिगा॒तभ॑  
 रं॒कुर॒णव॑नं॒ रल॑कै॒लभि॑धि  
 इ॒मपि॑व॒भंते॑ वि॒न्नभ॑य॒तः ॥  
 म॒लकृ॒पा॒तले॑ धृ॒लभ॑वा  
 लि॒त॒रुधु॑मि॒रभि॑ ॥ धृ॒तिधृ॑  
 इ॒ष्टभी॑कृ॒वभ॑पमि॒तेभृ॑रु॒ति  
 प॒लः ॥ य॒रुहिं॑ भृ॒रभृ॑व॒रमु॑प

भ.  
 प.  
 ७१

भुञ्जेरपिमती॥भण्डुञ्जेवः॥  
 धरिग्नविण्यसिद्धवनः॥  
 नउसिद्धंउमिन्नरिवभउरि  
 स्रग्भ्ये॥त्रकभुधुत्रैठव  
 डिमिरभभूयवनतिः॥०३॥भु  
 क'इयुङ्ग'इमयमकिउमेव  
 भुगदप॥विण्यभुभीमिभिन  
 यनविधंभंहुउवः॥भकल्मभः  
 क'के'भुवनजगुनमियभदे॥  
 विक'पेपिस'प्रेठवनठयठ



इष्टभानिनः॥०॥ सुभिक्षुः  
 नैव कर्मिण्यपि भवेत्सुग  
 रे॥ निवृत्ते निरुत्तरातिर  
 यिनेयस्तु विमिषः॥ भयसूत्री  
 सत्सुभिर्भुजसुगमाप्य॥ भ  
 क्तुः भुजसुगमाप्य॥ भ  
 पस्तुः परिष्ठवः॥ ०॥ भद्रीपा  
 मप्युत्तरातिभक्तभक्त  
 यपस्तु॥ पस्तुविष्टुः सुभुः सु  
 रपविष्टुः सुगमाप्य॥ भ

मं.  
 प.  
 ९.

भक्तुं मे भुंयति नृत्तम्  
 उद्दितात्तम् रागाद्भक्त्यैव न  
 एभिन्नवभैव विदुः ॥  
 वियद्भुपीत्तम् रागाद्भक्त्यैव न  
 उद्दितात्तम् रागाद्भक्त्यैव न  
 यः पदत्तम् भुंयति नृत्तम्  
 उद्दितात्तम् रागाद्भक्त्यैव न  
 वलयेन नृत्तम् भुंयति नृत्तम्  
 पदत्तम् भुंयति नृत्तम् ॥  
 रघः क्लृप्तम् यत्तम् पदत्तम्



[illegible]

भ.  
प.  
३०

शिप्रदरगगतिरगगताभा ॥०७॥  
 कृतेभुपेरगगुहमभिदलये  
 गेरुडभटं ॥ ककमप्रपुमुंढ  
 लतिप्रमधरणभटो ॥ सुड  
 भुभुदेवृरुडधुदलमनप्र  
 डिडवं ॥ सुडेसुडंरकुदउप  
 विकरः ककमप्ररणः ॥१०॥ कि  
 यरुकेमकाः रुडपडिगपीम  
 भुवहृडभधी ॥ भविष्टंम  
 ररुमममुभुगग ॥११॥



उहंमसुतः ॥ उठलविपान  
 हृमनिनेपूवंकतुः मूदुवि  
 पुरभाठिमागयदिभापः ॥ १०  
 पूरनघनषपूमठमठिकं  
 भुंमुदिउंगउरेदिमुतं गिर  
 भयिषुभसुभुवपुष ॥ पुरथ  
 ॥ दउंमिवमपिमपडुदउम  
 भं ॥ इमउंउेमुपिइरुडिनभ  
 गहृणरठमः ॥ ११ ॥ मुप्रवेला  
 वटं विवभनउंनेमुविभुधउं

म  
 थः  
 ३३

भुनीनंरुगंमभरुनि  
 भकेपवृत्तिकः॥यैउरयेग  
 हेभदरुपिभपदंविमण्डं॥  
 पूर्वमेकोस्त्रीलंकिभापिपुन  
 धरुप्रभविडे॥७३॥भुलवष्ट  
 संभापुउपनुभमङ्गायउं॥४  
 दुरःभुभंरुभुप्रभमनपुद  
 पुणभापि॥यमिभुं॥रेवीयम  
 निरउमेदवृत्त्यन॥रुवेडिइ  
 भदुवउवरुभुभुपुवउयः॥७॥

५



ममनेश्वरीश्वरद्वय  
 ममभक्तद्वयश्रुतम्  
 लेयः भूगधिचक्रेपीथरि  
 करः सभक्तुंसीलंउवठव  
 उनभैवभापिलं उषधिभक्त  
 कुंवरमपरमंमङ्गलमभि ॥ ३५ ॥  
 मनः पूष्टिउभविणभविण  
 यउभक्तः ॥ पूष्टिउभक्तः ॥  
 प्रभक्तुंसीलंउवठव  
 यमलेद्वयमंमङ्गलमभि ॥  
 ॥ भक्तुंसीलं ॥

म.  
 य.  
 ३३

सुचय्यनमवेतिभु  
 मपट्टभुङ्किभपियभिन  
 भुङ्किलठवन॥७॥भुमकभुं  
 भेभभुभभियवनभुङ्कउव  
 दभुभभभुंभेभभुभगभिन  
 भुभभभिम॥परिभुत्रभेवं॥  
 इयिपरिभुंभुङ्कउगिगंन  
 विभुभुउंभयभिभुउयभुनठ  
 वभि॥७३॥इयीभिभुङ्कीभुउ  
 वनभभेरीनभिभुगनकग



हैचलैभिठिरठिरुपडील  
 विदति॥डुगीयंउपाभप्रनिठि  
 गुरुनभ'ठिः॥भमभु  
 वृभुंइंमरुंरुगुंउडेभि  
 डिथरुभा॥७७॥ठवःमवेरुदूः॥  
 पसुपडिरवेगुःभदभदंभु  
 वृठीभमनविडियरुठि  
 पनभ्रकभिरुभा॥सुभुकि  
 दूहेकंभुविसरडिमेवसूडि  
 धि॥धिय'य'भेपभुभुंदि  
 ॥उभमेभिदुवो॥३॥

भ.

प.

उ.

वधुधुः कृष्णवस्त्रभिः अभिरं  
 एतन्निधुः ॥ धुः रैवदं ॥  
 कृष्णमिधुः कृष्णवस्त्रं ॥ उवन्नी ॥  
 नभः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 नभः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 धुः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 धुः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 धुः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 धुः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 धुः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥  
 धुः कृष्णः भं धुः उवन्नी ॥



नमः भवभैते उरिभभतिभ  
 चयमनमः ॥ ७७ ॥ वदलर  
 भविमुद्धते वयनभेनमः ॥  
 पुचलउभभेउद्धरेदयन  
 भेनमः ॥ ७८ ॥ नभ्रापदउभै  
 मिजे भद्रयनभेनमः ॥ ७९ ॥  
 दभिपरेनिभैष्टे मिवाय  
 नभेनमः ॥ ८० ॥ दमपरि ॥ ८१ ॥  
 उः क्लेमवसुंक्रमेकमउव  
 ७ ॥ भीभिल्लुनेमसुमुदिः ॥

भ.  
 यः  
 ७५

उडिमकिउभमन्नीकृष्टमंरु  
 क्रिररुक्रुररुगर...येभुव  
 कृष्टयेपद्वरभा॥३५॥भुगु  
 रणगनरेकैरग्नितुष्टुमेलेः  
 पृष्टितुष्टु...भदिभेष्टुनक  
 कृष्टभुगुः॥भकलग...वो  
 ३५ः॥पृष्टमन्त्राणिपनेविर  
 मयरुतिवडैःभुष्टमन्त्रगीयः  
 भुष्टमन्त्रगीयमभंभुष्टमन्त्र  
 भिन्नुपष्टेभुगुक्रुररुगप

३५



लोपनीपद्मची॥ लिपडिय  
 रिगदीह्ममरुभचक  
 लंडरुपिउवग॥ नभीम  
 धरंनयाति॥ ३०॥ भदेसत्र  
 धेरमेवेभदिमेनपरःभुवः॥  
 मथेरत्रधेरभत्रेनभुउरुं  
 गुरःधरुमा॥ ३१॥ मीक्ररुने  
 उपभुीकंरुनेयेगामिभत्रि  
 यः॥ भदिभःभुवध०भुकले  
 नउडिभेइमीमा॥ ३३॥ ॥

भ.  
 ध.  
 ३०

श्रीप्रथमस्तुभापथद्वयानि  
 जेतनभुरे॥ किन्निधदगे॥  
 दगधिये॥ कश्च भित्तिनपि  
 जेतनभम॥ जेतनभप्री॥ जेतन  
 जित्तुपजित्तुदेम॥ ३७ ३८  
 श्रीप्रथमस्तुभापथद्वयानि  
 जित्तुपजित्तुदेम॥ सुठभा॥  
 जित्तुपजित्तुदेम॥ जित्तुप  
 जित्तुपजित्तुदेम॥ जित्तुप  
 जित्तुपजित्तुदेम॥ जित्तुप



वय॥सचयदुःपसमनय  
 वधपुण्य॥रुदयकलरुद  
 नयनभः॥मिवय॥०॥भवेसु  
 रदेभतिठमसायिने॥दुभ  
 पतिदेभतिमेचुरेउभ॥विडे  
 मरुदेभतिमद्रवभमे॥नि  
 चडरगायनभमुपश्रिने॥१  
 ठिकरे॥विदीनभुनिड  
 भुद्वियमेउभः॥उपश्य  
 ॥ गितुमु ॥

श्री.  
 रु.  
 ११





मन्त्रीनामिउभु॥ इ० ॥ १ ॥ क  
 ऐः नानाविधैर्देवैः यमभु  
 सुविषयकैः॥ उंमेमंनीय  
 भनभु॥ इ० ॥ ३ ॥ सुभुभु  
 नभुमिउभुमेभुभनेरि  
 उभुम॥ सुनषभुलगात्रष  
 इ० ॥ ७ ॥ भंभारथमभु  
 म्भुनपीडिउभुमेदभुक  
 रविषयेभुनिपाडिउभु॥ क  
 भमिउभुठवरगापिलीक

श्री.  
३३

उभुस्तीनभुमेऊमस्यं धरले  
 कन॥०॥स्तीनेभिभमत्रपि  
 धलेभिनिगस्येभि॥संभे  
 भिभमपुरणनडापरिवर्त्ति  
 'तेभि॥कुम्भेभिभुठुगउमेभि  
 गउर्येभि॥पुम्भेरिउतेभिवि  
 कलेभिभकलकुतेभि॥००॥  
 ठीतेभिभठुगउगेभिभय  
 नकेभिभमसुमउवृडिकर  
 कुलमेउनेभि॥गगकिमे



धनिकैः भ्रातृगीर्णैः भिन्नम्  
 किमेतन्नियमेः धरिवर्तिने  
 भि॥७॥ एतन्मयी भूम्भ  
 कउपोकिने भिन्नित्भयेभूम  
 ॥ भूमभादूये भि॥ सुमा  
 निरुद्धमपिसामिकयाम्निने  
 भिन्नसे भिन्नपसुपडेमा  
 गते भि॥७॥ ददने भिन्नवि  
 न्ने भिन्न इन्ने भिन्नमपले  
 क्रियैः ॥ ठवलदनिभ ॥

५२

मी.

३३

३३

श्रेष्ठि किंशुं भमनश्रीभय  
 निभिमदपपीयनि  
 भिठयविडः यमिनेद्रिय  
 भजुधुः श्रुतः सारं भम ॥ ५  
 सुतेभद्रमेनवृभुतेनवृः  
 दपपरः उल्लाववयेदेगः  
 कषेनवनपादिभं ॥ सु  
 कलयासुदयं भुवमंभि  
 भद्रश्रेष्ठिभिनषरुठिन्न  
 शान्तरुतैः सुदुष्टैरुयं ऊरु



घनमहं ह्रुतः परं कषयकं स  
 रं नृमि ॥०१॥ ह्रुतं नृमच  
 ह्रुतं नृमच नृमच नृमच ॥  
 भृहृजभृमचभृकिभृहृष  
 यभिः ॥०३॥ भृताधिहृविदी  
 नभृहृः अपमेकपुरभृमभृम  
 धामनिवहृभृगहृधेभृम  
 भृम ॥०७॥ मेवमेवभदमेवसर  
 गउवहृल ॥ नृभृउहृ

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

श्री.  
 रु.  
 उ.

५॥ भक्तिसिद्धये परमेश्वर ॥ छी

उभक्तिलवमंगेभिनिरा

मूयेभिः ॥ भग्येभिः दुःपरा ॥

ये पतिउभक्तिसम्भे ॥ सुतेभिः

भेदपरा लेनमभावेभित्तुं

मदुष्टदुःखं ॥ भभुपगतेभिः

सुमिपतुनिभग्येभिः दुःखे

ठवकदमे ॥ धूमीरुदपय

मभेधामगे ॥ सुखभुमं ॥ १॥

सूक्ष्मेठवठी उपुठगवकुल

३

१०



ॐ गिरः ॥ उषः कुरु यषः कुरु ये  
 नरा पते कुरु यषः ॥ ११ ॥ भम  
 यम उविल भुं कुरु दीनं कुरु  
 मैलं ॥ भलिन वभनगा इति  
 नुं ॥ धपमीलं ॥ रविरण्डा  
 कुरु ठी उरे गिं ॥ धु धु धु ॥ पे  
 पलरान पडि कुरु उरक्त भं भ  
 चमके ॥ ११ ॥ सुपत्रे भिमर  
 ॐ भिमर च वं भुं भिमर च म  
 ठगा वं भुं धुपत्रे भिम ॥ ॥

श्री.  
 रु.  
 १०

गङ्गाभं सरागं ॥ १५ ॥  
 उष्ट्रस्य भानसुगठसुष्टु  
 धिरेदिनः ॥ भक्तुत्तुले  
 एतन्मयश्चमुत्तुत्तु ॥ १५ ॥  
 मष्टुत्तुमयेत्तुः सत्तु  
 भुक्तुत्तुमनमः ॥ ३५ ॥  
 भुक्तुत्तुमेदं कुत्तुत्तुत्तु  
 न्नि ॥ १५ ॥ यत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु  
 उष्टुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु  
 उष्टुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु ॥ १५ ॥



नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं  
 उष्ट्रारुयं ॥ रिङ्गरे  
 वतुतेयस्तुभलंतुभरणी  
 विंतं ॥ ३३ ॥ उडिल्लेसुव  
 रुतंगीगीसुवभुहंभम्ल  
 भा ॥ सुठभसुभचरण  
 उभा ॥ ॥ ॥ ॥

श्री.  
 रु.  
 ३३

96



97

90



99

His Highness' Government  
JAMMU & KASHMIR.

File No. \_\_\_\_\_

PART